

नमोः नमोः नमोः नमोः ॥ नमोः नमोः नमोः नमोः
नमोः नमोः नमोः नमोः ॥ नमोः नमोः नमोः नमोः
नमोः नमोः नमोः नमोः ॥ नमोः नमोः नमोः नमोः
नमोः नमोः नमोः नमोः ॥ नमोः नमोः नमोः नमोः
नमोः नमोः नमोः नमोः ॥ नमोः नमोः नमोः नमोः
नमोः नमोः नमोः नमोः ॥ नमोः नमोः नमोः नमोः
नमोः नमोः नमोः नमोः ॥ नमोः नमोः नमोः नमोः

चक्राभाः संघवदः विनययमनः स निष्काममहता
ग्याधि **र** स्यवसादा। नृवि सति निरुद्धः स्यामिना
मिदयवः तद्वयत्ता मवयि सुप्रदयनि सुखः कव
नामनत्रा लभतः कयादमायुहयम॥ गुनसवित
चः सतमूत्र सव कोतः अयि साद्रया **र** रूद्रक
निः वित्तवम वृत्ता पूर्ववमन मधूनतवत्

ठया सानि लिदि टियः स्यामि ग्यति त वाय
वृद्धता **र** नः सवि सात वाः यरुतमनिरु
हुवा त्रुगवतः ग्यमन न्वि ग्यताय। **र** न
भाः ग्यमनित्व ग्यताय॥ **र** नभाः ग्यचद
सवतायः॥ **र** नभाः ग्यचद सवताय। **र** न
धम **र** न नृदया नद कातिका॥ **र** न

जमदाग्निकताचन ॥ कमतासनसुः शाशिर्ह
 धमः कतकमत्र ॥ क्षता ॥ सहज्ञानदकात्र
 का ॥ **आ** ॥ निरिवत्रिज्ञनहृदयाः क्लादसुत
वाक जाव ॥ १ ॥ **ता** **ग** **ज** **क्ष** **त्र** **र्ल** **त्र** **वि** ॥ विष्यस
 गानरुः विभुवयाः साकात्रविद्यतगुशंरुवाः
 ॥ १ ॥ नमानिरवागिष्यतः सयलनृनिहृदयः

रविग्यसत्रा ॥

विताशयाः कृताग्निसमनाहृतः सयात्रिज्ञनहृ
 तया ॥ १ ॥ यितनितालुहाणातयनः यंचजिनम
 कृतामनितयन ॥ ३ ॥ यमचकृमृदाः कृतिशय
 धमतासः धर्मचाय ॥ यहादवस्मस ॥ ५ ॥ सताग
 तानमितठचतनरुनयायतमादिः वज्ञात्रिग
 गूनतयन ॥ ७ ॥ **ता** **ग** **र्ल** **त्र** **वि** ॥ सखप्रतुः मला

मलाप्रतु ॥

महाकलकताजितः दृष्टादिहनाः दृष्टादयः
जयतश्च दायानिः ३ तं गुरुव नः ॥ यः ५ वरुण
५ ज्ञानवापियात्रा ॥ १ ॥ नमः ॥ मयि च वंद्यं
विष्णुगुणज्ञानः विष्णुहितः विष्णुहितः ॥ यं च
मन्त्रातिशयः ॥ अर्कदयानताः ॥ रूपातज्ञानमा
नसाः ॥ इतं गुरुयतिमित्रनद्यनद्योतलुन ॥ ३ ॥

॥ ३ ॥ ज्ञानवदमयः ॥ याउयादयः ॥ ताउवादि
यः ॥ चवुवादिगुरुव नः ॥ वाउवगुमेठकुरुनह
॥ म्नादिनदवतः ॥ याचियः ॥ ननलुमित्रयाचिय
॥ सकलका ॥ चवुवात्र ॥ ५ ॥ जवताउ
दिचियः ॥ अयकचक्राः ॥ मानकुरुनिधिसिस्थ
तवदयति ॥ ५ ॥ गुरुचलनतिवतहाः ॥

कृष्णमः उदयतिः श्रुवातः ॥ १ ॥ यनवयात
 लोवः ॥ यः सुकवातः रश्मिः रुवः रश्मिः रश्मिः
 तनः सुतुलः ॥ १ ॥ रागः रश्मिः ॥ निम्नः
 भादिः रश्मिः रश्मिः रश्मिः रश्मिः रश्मिः
 दावतनादः रश्मिः रश्मिः रश्मिः रश्मिः रश्मिः
 भादिः रश्मिः रश्मिः रश्मिः रश्मिः रश्मिः

रश्मिभाजाय

रुद्रः नमः ॥ गुरुः रश्मिः रश्मिः रश्मिः रश्मिः
 रुद्रः रश्मिः रश्मिः रश्मिः रश्मिः रश्मिः
 रुद्रः रश्मिः रश्मिः रश्मिः रश्मिः रश्मिः
 रुद्रः रश्मिः रश्मिः रश्मिः रश्मिः रश्मिः
 रुद्रः रश्मिः रश्मिः रश्मिः रश्मिः रश्मिः
 रुद्रः रश्मिः रश्मिः रश्मिः रश्मिः रश्मिः

विद्यायाति दिक्कतया र्हादिनिः शब्दमृतकृत
यनादत्रायिर वाथजादिदसुत्रमिगतसूत्रन
जनस्तानेदायनीः विलम्ब्यती ॥ १ ॥ दिव्यव
तिविरः जगज्जसदायमः जहानि सीसुमनी
जः वज्रदेवि ॥ जम्भजम्भु जया ॐ सततः
इमतिना सनमो जयदाता ॥ ॐ ॥

१ गगकमुदि ॥ यतथागानिदवातिरुवनवा
यिता रावद्युमात्रदकदस्यनधिनानी ॥ १ ॥
उं नमो मिदवि जम्भजवा गहि ॥ सद्धि सिद्धि
यदायानिजगतजनानि ॥ २ ॥ यवदत्रगत
नकतवर्धुनि ॥ ३ ॥ सनया मिदवीनलवदन
॥ ४ ॥ वाग्वाग्मिहानिदवाहितवर्धुलारव

स्वतथागानि

॥ २५ ॥

[illegible]

न नननननाटनहयगमतिप्रः वयका
कोना ॥ ५ ॥ अहिनिहंसनगुनवातेनत्राहा
ः आदिहातः लावजलवतुतमेमननरुय
वधनः आदिहातः रुयभातः अतिथसंलाव
॥ ॐ ॥ **रनागनात** ॥ लकुवलनतिनित्राय
नरुधतिः अकागदगासुजः वरुलननकिने

रनागनात

॥ १ ॥ नृक्षदाववाग्निमहाः माप्रदुदाव
रुजगतवमहादतमहनगनाग ॥ १ ॥
आगमवदः यत्रानवरथा नरुजागधनमदि
आगत्रुयदह्य ॥ २ ॥ वचवदुतः नृवम
रुक्षः सयातजागानीमायाहेतवतुव ॥ ३ ॥
रुतगत्रुपत्रगगुतगतवलिथानरुनरुवाक

卷之五

二五

मा जानद मृत्ति धरा ॥ विष्णु वज्रजृद्ध च ३
नामकूट आनः हाउ आरु ल म सुगवलि ता २
वज्रद्युता च अउ मत्र वत्तागः वित्तमा जान
द मृत्ति धरा ॥ ३ ॥ कनकि कयनः यल सुवा
माकि सुतः व द्वाग्गल धराः वाद्यच अ कती
वसिष्ठता ॥ ४ ॥ दिगविदिगः काकाग्ग दिजम

दाकिमिद विः सहजा जानद मृत्ति धरा ॥ ५ ॥
नमा मिरग्गलि च कृ श म्भराः सत मृत्तचनन
जाता द्विता ॥ ६ ॥ मागजृद्ध दि ॥ हाउ आरुत
नः कि यायित सवतः यलयि क वालित व
रा ॥ ७ ॥ कृ द्वाउ नः सदि या मृ सानः मकूतः
कृ गादिगं वरा ॥ ८ ॥ ललत म्भानवः सवत

२६
॥

गयाः सप्तलक्षप्रलः मातृका नरह माव
नाहि नः वज्रवा नाहिः रुद माहि मातृ साग
॥ ॥ गमात्र लयनः वन सह प्रयनः कव
लेरु त्रयिता वाः गगनानि तावम्भुः वादला
न जादाः सप्तलक्षप्रलः रुव ताना ॥ ॥ क्रिय
कउ वाट हनः सुदिता न सप्तलः ययि स

यि सप्तलक्षप्रलः मातृका नरह माव
नाहिः रुद माहि मातृ साग ॥ ॥
गमात्र लयनः वन सह प्रयनः कव
लेरु त्रयिता वाः गगनानि तावम्भुः वादला
न जादाः सप्तलक्षप्रलः रुव ताना ॥ ॥ क्रिय
कउ वाट हनः सुदिता न सप्तलः ययि स

गमात्र लयनः

वाल ॥ कमलकांतस्य यः कृतं ह्यं विद्यात्त
 ॥ ॥ आ गी नी तु क्क वि नः र्व न हं न डि व वि
 ॥ ॥ ता ना मु ह च वि आ तः क मु ह स वि व वि ॥
 ॥ ॥ जे व ह आ गि नि ल व आ यिः म डि क त
 वा ह य आ लः आ द य आ न स मा न ॥ ॥ सा ग
 ह त य त य त क चि ता तः च न स य इ यिः व
 य

ऊ रु ज ॥ ॥ रु ग यी ता त ज ह मः क द त्र वि त
 र न त य ना ती मा ष्याः उ रु य से व वी ता ॥ ॥ ॥
 ॥ ता ग का म द ॥ ह वि ज स र व र य स म द हाः न
 व ल सं द्रा णि स त त ऊ न ध ता ॥ द्वा द स स्र ज व
 द व द र्मुः द्वा द स व र्मु ल त क न र्ना ॥ १ ॥ न मा
 मि श्री ति च क्क ह त मा त रु य र व रु य ह त न

१
 २
 ३
 ४
 ५
 ६
 ७
 ८
 ९
 १०
 ११
 १२
 १३
 १४
 १५
 १६
 १७
 १८
 १९
 २०
 २१
 २२
 २३
 २४
 २५
 २६
 २७
 २८
 २९
 ३०
 ३१
 ३२
 ३३
 ३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

॥ २ ॥ चतुर्गवि सति यथेष्टत्वं: पूति सं
विल विल सत ॥ चतुर्गवि यदज्ञान वलि वीता
द्वी सवत्तः युक्त तित स्थिता ॥ ३ ॥ यथा स
तः आल कालि यदा कानाः जति सुद ता २
द्वद सवत्त वी ७ क ला वाः न मा मि श्री च क स
भव ता या ॥ ४ ॥ सत गत च ल न सित श्रुति

याः रुत यि स ता न श्री कलि सा ॥ दान यति
प्र स मा रु त र्षः स द प्र स त आ ता श्रि ता ॥
॥ ५ ॥ नाग श्री त र वि ॥ वि वि ह वि न ल
ः मा ता वि ग श्रि व द न २ द व ज स त ग गः स व न
ह रु क न ना ॥ १ ॥ ना व ल न मा मि श्रीः स व न
वि ता २ व रु ज्ञा गि नी त ति लः स रु स ग द्वा ता

वि वि ह वि

॥ १ ॥ वज्रवाताहाजाः त्रिगणक (२) रं भुक्ति
 शिवि त्रिविलम्ब्य त समल सगमिषु ॥ ३ ॥
 लोकादलनः त्रिषु मासु रं रं रं रं रं रं रं रं रं रं
 नात्रुषायाय न त्राय न विषय ॥ ४ ॥ द्वाद
 स रं
 हाव नः गगन रं

ता ग रं
 म दहा रं
 ॥ १ ॥ तं नो रं
 काध त्राया ॥ २ ॥ निवादि तद्य इति लकः
 तदहा रं
 ॥ ३ ॥ हात हल वृक्षाः रुं द च नु मा तार मा

अव नि कि न गन

२

नाविद्यनदसल्लुयहृत्तना ॥ ५ ॥ विवि
 दितलमानः लक्ष्मणदेहादृजगतविवाच
 निः वनरुलदायानि ॥ ६ ॥ **नागगवजग**
 चक्रिकुतकशितचक्रमेवतल्लुयः गवत्र
 ननतासितमात्रासितचक्रिकुतलपियाः
 रुमविल्लुयितगगनतातिवद्युतितायाः

॥ १ ॥ वल्लुयसल्लुयवदमात्रकायाः
 इत्येनाथग्रीलसचत्रताया ॥ २ ॥ वज्रकल
 टकलाथलियाः कथाक्रियावृषद्वंकः
 सल्लुयतागिनीकलविहासिगवजः मलाहृष
 मतीयसाद ॥ ३ ॥ वज्रवात्राहृयातिग
 सवतः नाचायवद्विहृत्तल्लुयवाचुलिया

आः प्रकृतं तित्तं तवः ज द्दुस्वरु लन य सा द
 ॥ ४ ॥ सहजं विनित्तं लाय या ग व नि क
 वा लः गी ह त व स त व य सा द त व ह्ना जालि
 ग न की र्ण नि ह त वः वि ता स थि म न्ना क न ना
 र ता ग ल वि ॥ त्र य र वा पु ल स थ त ग्ग श
 ला क्क लि र ज स्व थ द स्व थः य स ह्ना त गीः

१३५३३५

२ ॥ न न न न न न लाः ह ह का त ना च थिः
 मालानः मालानि ल वा न न र नि त द हा य त
 : त्रि म ज न नि व ज ल ज गि नी र ज थ र हा द
 जारु त ग्ग लाः क त ति क या ल क ल क्षा गी ॥ २ ॥
 त्र य र ता थ ह्नाः ज ग त स हा तः य न मा मि ज
 यो य त्र य वा पु लि ॥ २०३ ॥ र ता ग क न वि

विष्णुस आ ग र

॥ वल्लभस्य गोत्रं हृदि न कृतं मृगुता रं कृत्वा न
 संरुन न दं हा ॥ ध्या ॥ नमस्कृतं श्री हं न व न
 यार वज्र ज्ञागिनिः जातिगमना रं यो ॥ ॥
 गोमय दृष्टः शुक्लाग्रे नारा विष्णु कलि
 शम्भुः शङ्कर मकुतं नमः ॥ ॥ यथ मेरु
 शंखाय कलिगाद्यभरं द्वितीयं रजः ना

गोचरस्तलियः ॥ ॥ गोलन्यसुजः उम
दृश्यत्वा गोवस्तुता दृश्यत मंजुमात्रा
विह्वलिता ॥ ॥ आलिकालदयिजा
लक्ष्मीया न यद्यन्मात्रा चलनः ईकाल
व ज्ञायता ॥ ६०३ ॥



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

2862

को ॥ ॥ सवत ऊ व स व मः सवत ऊ
न वादि तः स म त रु द को या इ रा ख म न
ल म त म ॥ ॥ न च उ डा गी नाः न प्र म
न व र वी ता हिः जा ति ग न का तः न ड
का ॥ ॥ हा त ध म ग त रु तः हा न च य्या व

॥ रागा मङ्गली ॥ ३ ॥ त ग म प न न ग्रा त तः त न स
लो र ॐ ध नी ल द तिः वि ङ्ग त क म ॥ १ ॥
रु ग ते नु क थ कि याः गू ग दा व ॥ द ङ्ग मा त व
ध्र ग नि दा व ॥ २ ॥ त क न य न ति निः त क
मा त र २ १ १ क त ठि क या ल नि त्राल ल ॥ ३ ॥
वा द्य च म म पु' य त्या लि री र व व ल द त ग

॥ रागा मङ्गली ॥

वा द्य ग ॥ ४ ॥ च ल न स त ग म ॥ रु ग ता त नि
त्रा ता ॥ रु न यि ज म धः व ड च लि त ॥ ५ ॥
॥ रागा धना ग ॥ स वा का ना म हा म श्व ड लि च
वृ जा न न्द द हा र ति स व न रु ला य म हा स व
त्र याः च द स्र थ दायि म ति ॥ ॥ न या या त
ना न्द व त लि ताः ति स व न क रु स दा व नी र

॥ रागा धना ग ॥

क कया लव ता ॥ ॥ श्री स व त राय वापु
लि कृष्ण जगत्तिना १ मालाय त चाययया
तमायाः सा स रु न म द्राला द्विना ॥ ॥
या म व क्म म्द वा म हा थ वालिया उ न त मि
त मा ता र नील हा त त ता ह त क न का रु त
मः च व म्भूय ज ता व क ता ल व ता ॥ ॥

आ न द व ज्ञा र्हाय त व चा वायया तः कालि
ता त दि न म्द वा र वि ष्णु कालि स ज द्वा च द्वा ज न
कृतः आ द्य च म्भू म्भू म्भू म्भू ॥ ॥ च ति स
वि त वि ल श्व त ना य कः ती न च क म्भू वि त
वि त र क त न गी ग म्भू वि त ल श्व लः स र्वाय
स या त स सा ल व ता ॥ ॥ ॐ ॥ त ग ग म्भू त

२ निशचन डी।

वमामिदं श्रीलिमस्तनयतमसा तं रवामन्तु जूल यध
नयुत्ता। त॥ २ ॥ जगतमसा तनाहृतनयुसादसिधि
तं रजगतमसा वीष्णुः सिद्धिरुल दहिम॥ ३ ॥ वं रं
पीदवसहितं दूर्यतिस्तदतिद विरजुथनाहृतनयु
समंगल॥ ४ ॥ सतगुलुवननयुसादसिद्धिमदले वा
नवचलललिमनाजनमा मि॥ ५ ॥ पुत्रमाशितिप्ति

तुः श्रीवडाचार्य रज्जुमित्रयुक्त नचित्रः श्रीलिप्रणिता ३॥
उत्तमीवृषाय ॥ पादस्नानविधिमाह ॥ पानासनयश्मजायाडीजु
नपाचावजथापनयः जूनपानयष्टुः शिवायाः वालसयाः नानाजि
र्याः चमदूगुनिकानयकूर्तदूगुः वृकद्रुः काफः फिर्ननद्रुयाडिवात्र
र्यकाः दूपनिहाफः थुनियवगु जूनयामजिअ ॥ ॥ आडकनडाचु
नवृकगुः पगु लिफूर्तयडागु थथिगु जूनयाकायाडाथापनयः जून

याज्जगतः सावदाद डाननया ॥ थन कसः सग्ननः दंशवलिः यरु
याधनमिनायूरुफयाथयाय ॥ जूदीगु तूर्मदलः यंचगु वासाधनः नीस
मोधिफु क्षाधिवासन ॥ ॥ सधधिका नरुमकु र्यात् ॥ जूगु कृतिधून
काडा ॥ ॥ न । थन जूनयाः सासिजतघलः वेत्यहतादयाः वेत्यहयदय
यकथार्ससास्नानचूरुतनया ॥ तावता ॥ ॥ नूजयतमानुतजसंजयतू
पानूक्षता ॥ जूधिरुतयाय ॥ उँवजकर्मक ॥ उँवजतूँ ॥ उँवजयऊदू ॥

उं वज्रसंधिवं। फलं रयनसाय॥ यं वा मृतं आदिं स्नानयायायं वायदा
नयूजाः सिद्धतायिव तात्राहानकसू मस्तानयीर्यगुः होयस्तानत्रादिन
चायः जायः यधमा॥ ॥ यनयवदयकथासहू मिसयूजाया चकः सा
नचूरात्रनयहावना॥ ॥ ननु ससमयदवान् दिग्गजनागवसूधावूध
वाधिसत्त्वान् संपूज्य गगल्लह्यय॥ यवनाहूति याय॥ ॥ ननो उं हूरयमि
ति मकुन शं न्या फुन हूर हूर लं हूर हूर निमं न॥ वज्रपतमान् मयि विहा

या॥ उं मयनीवजी हव वज्रवं धरूं॥ यनञ्च विह्वलयाया॥ हूमिसस्तानचूरा
नयया॥ हावना॥ नन सचकलं हूर हूर यनं ननु चार्यमिननः हूर कान लेनं ग
यग्रहन धति हि ह्ययुधि वा संचादितन निहर्ता हूर हूर हूर हूर कनक कनक सा
धानि नः सधर्न कान हूर धिनी पृनी पीथि विदवनी वित्ता वा॥ धूप॥ ॥ त्वं दवि
सा उं हूरानि सध्वं वृष्टा नूतयिनी॥ चर्या नय वी णा धन हूमि या न मिता सच
यथा भावर्त हूरं सा कसि हूरतयिनीः तथा भावर्त जिह्वाः विह्वलं हूर

का॥ जूयादिवाक्यजुजदिहिः संयुक्त॥ जवासाकाफः कलिकाष्टममितिः पून
सर्तश्चया॥ लोकाग्रयसाता॥ ॥ तिनादिहिश्चया॥ आदितिशमस्यपदिन
कृतयलुवित्तचिनायीपिजिकायीरुचयकतनी॥ ॥ सम्यकपतिसाधितव
शाहनमृत्तिकायत्रियूत्रितेषः सम्यकुकमाकाठितेषः गतापूत्रकवः कनक
रूपाङ्गातिरवतूत्रयादिद्यतिनक्रमनस्यन्॥ तद्वपनियजिना वल्लेन
कोलमू॥ नित्रः रुत्रकः मलेः पमतागः व्यताः पच्छमृतः

गिरात्राक्षरः पनियूत्रितायत्रानिः विहावानूत्रयुतः सूवतूत्रयः नामे
* द्योतधववकानिः चलात्राघनि॥ उवजयकद्रु॥ सर्वकर्मिकमनु
मक्षरुतसतवात्रयत्रिजफानिः चलात्रात्रधूरुहानिचलुका लुषूक्षया
तद्वपनिसम्यकृतः रूषूकात्रनकुर्या॥ ॥ ततः सुस्मिन्तूमीयंतैर्वल्लैस्तुका
त्रजवायुगिजलावनिसूत्रयत्रिदूकात्रजतद्वस्मिसमूहः वज्रमतिज
हूमीः वज्रप्राकानः वज्रयजत्रः वज्रवीनानचविहाव्या॥ विष्टुचक्रवादिका

अर्चिजचक्रपत्रिनामनःवेताचनंतत्यत्रिनामनविहादिकविवा ॥
ननाहपतिरुतिकर्मकत्रःपुंरुकाताकान्जथाहकनकीरुप्रियःवस्तु
दिर्ननासनीवृत्रादिहिद्यःसंपत्तिनाषयतःजजमाननरुक्तषूकोःसम
जयन्नाननायुधीलत्रदिग्मुखपृथिस्तनगेतवान्ःनथानगेनचन्द्रसूर्य
वलाकनःपनाःरूपपत्रिसूखायक्रिमावर्तनकोकानीःयूकोलताड
दुर्गाःपुत्रःसमयःवायुव्यःॐ॥नानेकानस्तपयातनजोवाय

अर्चिजचक्रपत्रिनामनःवेताचनंतत्यत्रिनामनविहादिकविवा ॥
ननाहपतिरुतिकर्मकत्रःपुंरुकाताकान्जथाहकनकीरुप्रियःवस्तु
दिर्ननासनीवृत्रादिहिद्यःसंपत्तिनाषयतःजजमाननरुक्तषूकोःसम
जयन्नाननायुधीलत्रदिग्मुखपृथिस्तनगेतवान्ःनथानगेनचन्द्रसूर्य
वलाकनःपनाःरूपपत्रिसूखायक्रिमावर्तनकोकानीःयूकोलताड
दुर्गाःपुत्रःसमयःवायुव्यःॐ॥नानेकानस्तपयातनजोवाय

[illegible][illegible]

२३ नमो वृषाय मन्त्रा विधिमाहः थापनपथं कथं माहः मन्त्रलपानाः न
अलः अलः मूलवलिः लयवलिः पञ्चकवाः ऊहसदिनः कृष्ण
वनः मन्त्रः दशवलिः पञ्चत्रायाथथुनिधायनायायथनलिः मूलि
चायः शुभमन्त्रलः पञ्चकवाः सिद्धातनयति समाधिः कृष्णपूजाः क्षाप्र
यायः ब्रह्मिथायनः ब्रह्मरूतिः देवपूजाः देवनाहृतिनः धूनकायुथ
नमन्त्रना सयायः बालासया अस्वला सयायः ॥ ॥ मध्यकोसंथा

नयायः कृष्णपतिः अर्कं ठगिलिः गीर्यलुः लूयाहिंघः रुलः लूपलः
अरुपलेनकायः काथासपूजायायः काथासवजनथिया अः मूलाचा
यनजाययायमन्त्र ॥ अर्हिजा ॥ १ ॥ यूर्ध्वकाथासः माच्छः मन्त्रित
मिर्कथगितिः कस्तुलिः लूयाकिसिः नित्रः लूपलः अरुपलेनकाय
यः पूजायायः मन्त्र ॥ अर्हिजा ॥ २ ॥ दक्षिणकोसः यूर्ध्वः रु
त्रधालः नायूरुतिवः कृष्णमलूयासलः यूर्ध्वनागः लूपलः अरुपलः

नकाययः पूजायायः मनुजाय ॥ नृवं ॥ ३ ॥ पथिमसः कानिः कगु
 नः काडहनिवः कपूतः लुयाद्रसमाः यमित्राः लपलः अरुपलः कायय
 पूजायाय मनुजाय ॥ श्रीमंजी ॥ ४ ॥ उल्लनसः मासः वीलाथुतिः अचूयं
 हननिः सलः लुयागुतः मलः लपलः अरुपलनकाययः पूजायाय
 मनुजाय ॥ अरुं ॥ ५ ॥ थयिः पूयकाथासः शयूरामाः नसाजनः
 जनीरुतिः जगुतः सवः लपलः अरुपलनकाययः पूजायायः जायम

॥ ६ ॥ वज्रवजिनी ॥ ७ ॥ यजिनसः मूतः निजिः फूर्गः लः वालः लाउन
 लपलः अरुपलनकाययः पूजायायः जायमनु ॥ उं नलवजिनी ॥ ८ ॥
 पथिमसः सानः सनः माजिः मिमिनामूलः नकाचन्युनः यलः
 लपलः अरुपलनकाययः पूजायायः जायमनु ॥ उं धमवजिनी ॥
 ॥ ९ ॥ उल्लनसः काः कसमाहिः जानामासिः वरुलिः लः लपलः अ
 रुपलनकाययः पूजायायः जायमनु ॥ उं कर्मवजिनी ॥ १० ॥ जगु

नमः कालानः अचरुपतिः जिरालः गलु अतः मृतिः नयलः शुक्
पलनकापूयः पूजायायः जायमकु॥ ॐ वज्रमस्य ॥ १० ॥ नमः
वसः तिहिः प्रियं गुः रुनकिलः तुम्भकः लयलः अरुपलनकायपू
जायायः जायमकु॥ ॐ वज्रमाद्यनो॥ ११ ॥ वायुवसः दामालः सि
धुः शुक्मालः सत्रपिः वेदूयः लयलः अरुपलनकापूयः पूजायाय
जायमकु॥ ॐ वज्रगीतः ॥ १२ ॥ ॐ गानसः कयगुः कस्तनदल
जनः थकाथयलः रुनगीः लयलः अरुपलनकापूयः पूजायायः जाय

मकु॥ ॐ वज्रनृत्वज्ज ॥ १३ ॥ थने नृयादसकाथसः थतिविदिः धा
नुः जमधित्तः पंचतलः लयलः अरुपलः लयासिंघाः आदिनंतयः ध
नकाडाः थयाय अत्रत्तनः थडा २ मकुन जाययाय धाल १०५ पंचायरा
नयजाः थतिधूनकाडाः सिर्जयति सजकु वाया अथजकुनकापूया
डाः नृत्रसिचु जिकाथनइलः मालतानलसिचुदिकाया हावी ना
याय ४ ॥ ॐ तित्तन्या सविधानस माफ ॥ मल्ललथिलः कि

विष्णुसहस्रनाम

१७ नमो ब्रह्माय भूतमात्राय विधिमाह्वय ॥ कार्यार्थकनय
क्रीडासर्वभूतः दधुनलिनश्च वलिथुनिरुता ॥ न कर्मति वाय
७७ ममलुतपंचगर्हसधनः सिधनयः त्रिसमाधिः कृत्स्नासथ
तिः धूनकाजजुगिह्वापनाजुगुह्वातिः दवयुजाः दवतादूतिः
धूनकाजः मनुवा ~~स~~ नयागुलिथसमादिकत्वाकलयाधातः ज
ननयगुः लपतः अरुपतयादअन रुजयतु सल्लतचदनया

जत ॥ ॥ ॐ कुरु लक्ष्मीं कुरु कुरु स्वाहा ॥ धर्मकुरु नारायण कुरु कुरु
स्वतियाजजुगिह्वापनाजुगुह्वातिः दवयुजाः दवतादूतिः ॥
धर्मकुरु पायें वायाजक्रीडायादूतिः अकनयते ॥ रयुजायाः ॐ
कृत्स्नासथ निचायुजः लपतजरुपतयादअनः मनु ॥ उजुगिजि
कुरु नजि कुरु वजकायगु सरजलरमलालमहायागुह्वनी
कुरु कुरु स्वाहा ॥ धर्मन वायाजः नारायण कुरु कुरु स्वाहा स्वतियाज

७ नया दाजते ॥ रय अयाथ समासदिकता फनया साकन र्शत
चक ॥ था कालिर्न शूल ॥ सा स्वस्ति वाक्क यदप्यंथ समासतय के ॥ थ
समास स्तान् कुरुत स्त्री ॥ तावना ॥ रय कातर्ज विध्व वज नूर्य गिना दान
यं विशावरः धूपः निना ऊनः वलियात १ था पल पंतयः वास्या जरा
यूजा याय ॥ यं रद द्वा ॥ याल उल्ला यकः तेरु उल कथ कालिर्न ठास
रुयकः वलित क्कयकः वौधेली विसर्जनः वलिधन न मूस अकल

यय सिद्धा कन तर्ह्य शूल ॥ ॥ तिर्विचा स अकूल १ तया जकाज कि ० वि
की जूड आन तया अः तावकः स्वस्ति यमास कलक ॥ ॥ वजः तावाः तम
रं नायः क्क सलं रवन सायक सिधु नन विध्व वज चायः दिवि नयः ज
जमकाः सानः जूड अ सि स कुरायायक ॥ कयाः आजलः जजय अ स थ स
सासदिकं तयः मकु ॥ ॥ उनम स मक वृधानाः उ म ला पुति गिना ॥ ॥
उसी प्रचक्र वलि स धिय १ मकु व न्ध रूद्र रुवन व न्ध वृज दवीः वं ध धा

28

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय